DON BOSCO ARTS AND SCIENCE COLLEGE
LIBRARY
ANGADIKADAVU

M 6633

Reg. No. : .....

Name : .....

First Semester B.Com./B.B.M./B.B.A./B.B.A.T.T.M. Degree Examination, November 2009

HINDI (Common)

Course – I : Creative Literature (I A 07 1 HIN)

Time: 3 Hours Total Weightage : 25

निर्देश : किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(Weightage 4×1=4)**

1. साहित्य और समाज नामक लेख की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
2. राजनीति का बँटवारा नामक निबंध में स्वतंत्रता के बाद की राजनीतिक सामाजिक परिस्थितियों का चित्रण किस प्रकार हुआ है ?

निर्देश : किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(Weightage 4×1=4)**

3. 'ताज' कविता का भावार्थ लिखकर उसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
4. सिद्ध कीजिए कि 'बीस साल बाद' शीर्षक कविता कवि के मोहभंग से प्रस्फुटित हुई है।

निर्देश : किन्हीं **दो** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **(Weightage 2×2=4)**

5. सारा खेत चौपट होने पर भी हल्कू प्रसन्न था। क्यों ?
6. अपर्णा को श्रावण वास्तविकता क्यों नहीं बता पाते ?
7. क्यों शहनाज़, यूनुस को अपना बाप नहीं मानती ?

निर्देश : किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(Weightage 2×3=6)**

8. भूल गये हम जीवन का संदेश अनश्वर
   मृतकों के हैं मृतक जीवितों का है ईश्वर।
9. तब मेरी आत्मा सुनहरी धूप बन बरसेगी
   जिन्होंने बीज बोया था उन्हीं के चरन परसेगी।
10. क्या आज़ादी सिर्फ तीन थके हुए रंगों का नाम है
    जिन्हें एक पहिया ढोता है
    या इसका कोई खास मतलब होता है ?
11. यह कैसी लाचारी है
    कि हमने अपनी सहजता ही
    एकदम बिसारी है।
12. समय बहुत कम है तुम्हारे पास
    आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
    शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर।

P.T.O.

निर्देश : किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(Weightage 2×2=4)**

13. एक बनिए ने दूसरे बनिए को राष्ट्रपिता नहीं बनने दिया। खैर, चौराहे पर मेरी मूर्ति की स्थापना तो हो ही रही है।
14. संसार के महापुरुषों के चरित्र में यही देखने में आता है। समाज के साथ उनका नाता गुलामी का नहीं होता, नेतृत्व का होता है।
15. भारतवर्ष के सभी प्रांत इस खिचडी संभाषण प्रथा के प्रवाह में बुरी तरह बहे जा रहे हैं, यह ठीक नहीं है।
16. टसर की मटमैली साडी में लिपटी उस संकुचित मूर्ति में न रूप था, न स्वास्थ्य, न कोई उमंग शेष थी, न उल्लास।

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढकर प्रत्येक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(Weightage 1×3bunches=3)

17. भैयाजी खुश थे। कहने लगे, "देखा तुमने ? राजनीतिक ज्ञान इसे कहते हैं। अब अपने घर में सब पार्टियाँ हो गयीं। किसी का भी नगर निगम हो, चुंगी-चोरी पक्की। हमने सारी पार्टियों को तिज़ोरी में बन्द कर लिया है।"

    क : प्रस्तुत अवतरण किस रचना का है ?

    ख :लेखक का नाम क्या है ?

    ग : प्रस्तुत वाक्य किसका कथन है ?

    घ : अवतरण के अन्तिम वाक्य का व्यंग्य क्या है ?

18. साहित्यकार वर्तमान से अधिक भविष्य में रहता है। दुनियाँ को खुश करने से अधिक दुनिया का कल्याण चाहता है। इसीलिए वह दुनिया लाचार होती है कि उसको न समझे, उसकी उपेक्षा करे या बहुत हो तो उसकी पूजा करे-उसका भय करे।

    क : प्रस्तुत अवतरण किस निबंध से लिया गया है ?

    ख : यहाँ किसके महत्त्व पर विचार किया गया है ?

    ग : साहित्यकार की चाह क्या है ?

    घ : निबन्धकार का नाम बताइए ।

    (हरिशंकर परसाई, महादेवी वर्मा, जैनेन्द्र कुमार, कामता प्रसाद गुरु)

19. शव को दें हम रूप रंग आदर मानव का
    मानव को हम कुत्सित चित्र बना दें शव का
    गत युग के मृत आदर्शों के ताज मनोहर
    मानव के मोहांध हृदय में किए हुए घर।

    क : प्रस्तुत पद्यांश किस रचना से उद्धृत है ?

    (बीस साल बाद, ताज, नये इलाके में, वक्त)

    ख : यह किसकी रचना है ?

    ग : ताज किन आदर्शों का प्रतीक है ?

    घ : कवि की राय में आदरणीय कौन है ?